Educational Prospects

Next 12 Months

Report

poorvka

Birth Date: 19 Feb 2011 13:55:00 PM

Birth Place: New Delhi, India

2017 - 2018

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामय सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुखभाग भवेत

www.astrobix.com

poorvka

19 February 2011, Saturday
01:55:00 PM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश	:	77.12E
अक्षांश	:	28.36N
साम्पातिक काल	:	23:29:32
स्थानीय मानक समय	:	13:33:48
अयनांश	:	24.01 एन सी लाहिरी

लग्न	:	मिथुन
लग्नपति	:	बुध
राशी	:	सिंह
राशी स्वामी	:	रवि
नक्षत्र	:	पूर्वा
नक्षत्र स्वामी	:	शुक्र
चरण	:	2
नाड़ी	:	मध्य
नाड़ी पद	:	आदि
तिथि	:	द्वितिया कृष्ण
पाया	:	ताँबा
सूर्य सिद्धांत योग	:	सुकर्मन
करण	:	तैतिल
वर्ण	:	क्षत्रिय
वर्ण	:	क्षत्रिय
वश्य	:	वनचर
योनि	:	मुषिक(स्त्री.)
विहग	:	भेरुन्ड
गण	:	मनुष्य
प्रथम अक्षर	:	मो, टा, टी, टू
सूर्य राशि	:	कुम्भ

लग्न कुन्डली

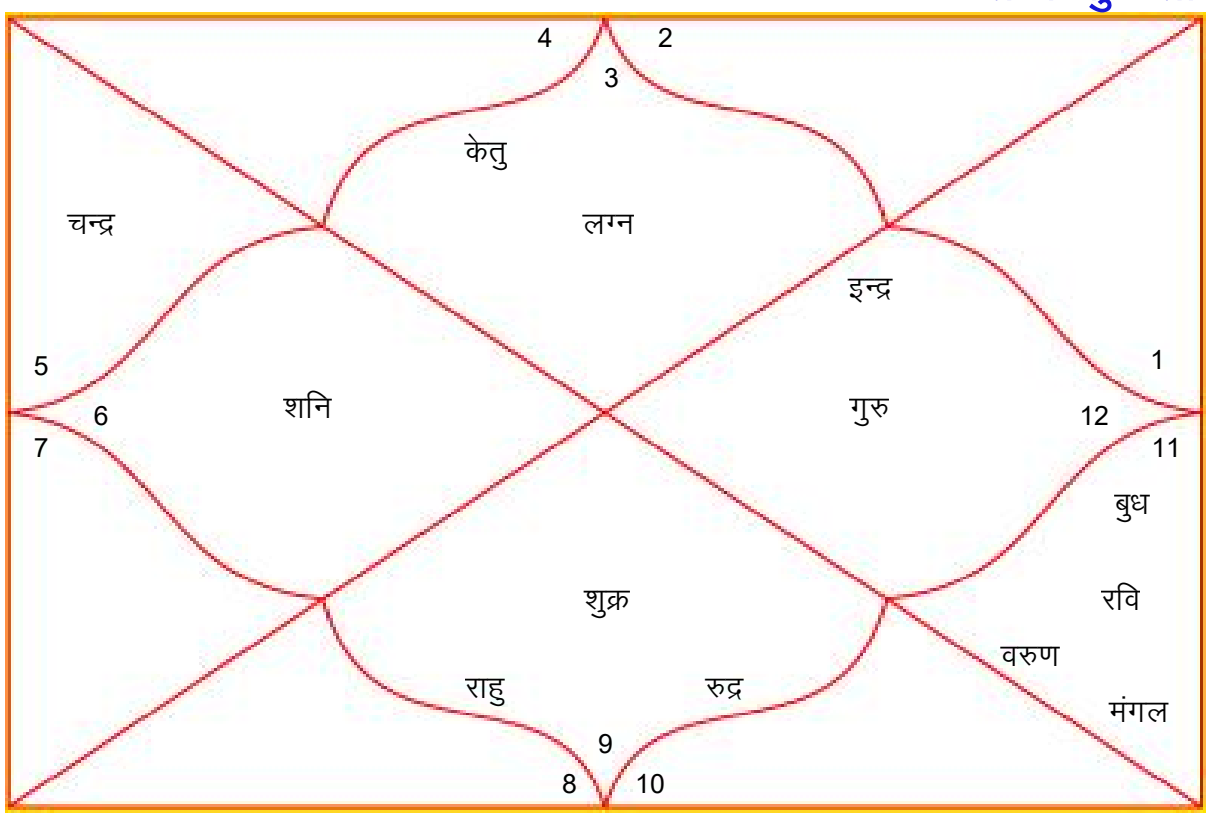

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र–पद	स्वामी
लग्न		मिथुन	बुध	11:28:44	अरिद्रा–2	राहु
रवि	मार्गी	कुम्भ	शनि	6:19:23	धनिष्ठा–4	मंगल
बुध	मार्गी	कुम्भ	शनि	1:29:39	धनिष्ठा–3	मंगल
शुक्र	मार्गी	धनु	गुरु	23:21:45	पूर्वाषाढ़ा–4	शुक्र
मंगल	मार्गी	कुम्भ	शनि	3:4:8	धनिष्ठा–3	मंगल
गुरु	मार्गी	मीन	गुरु	11:34:35	उत्तर भाद्रपद–3	शनि
शनि	वक्री	कन्या	बुध	22:42:26	हस्त–4	चन्द्र
चन्द्र	मार्गी	सिंह	रवि	20:24:5	पूर्वा–3	शुक्र
राहु	वक्री	धनु	गुरु	5:40:58	मूला–2	केतु
केतु	वक्री	मिथुन	बुध	5:40:58	मृगशिर–4	मंगल
इन्द्र	मार्गी	मीन	गुरु	4:51:29	उत्तर भाद्रपद–1	शनि
वरुण	मार्गी	कुम्भ	शनि	4:26:38	धनिष्ठा–4	मंगल
रुद्र	मार्गी	धनु	गुरु	12:52:45	मूला–4	केतु

आपके लिये शिक्षा की स्थिती इस साल

अगले बारह महीनों में आपके लिये शिक्षा की क्या स्थिति होगी, इसका आंकलन इस रिपोर्ट में ज्योतिष के द्वारा किया गया है. इसमें इस दौरान आपके कुन्डली में ग्रहों के गोचर व आपके ऊपर दशा–महादशा के प्रभाव को देखा गया है जिसके आधार पर ज्योतिष द्वारा यह बताया जाता है कि आने वाला यह समय आपके लिये शुभ होगा या अशुभ.

इस रिपोर्ट से आप इस आने वाले समय की चुनौतियों व मौकों को पहचान कर सही कार्यवाही कर सकेंगे.

विंशोत्तरी दशा (महादशा)

शुक्र

	14 Jul 2000 - 14 Jul 2020
शुक्र	14 Jul 2000 - 13 Nov 2003
रवि	13 Nov 2003 - 12 Nov 2004
चन्द्र	12 Nov 2004 - 14 Jul 2006
मंगल	14 Jul 2006 - 13 Sep 2007
राहु	13 Sep 2007 - 13 Sep 2010
गुरु	13 Sep 2010 - 14 May 2013
शनि	14 May 2013 - 14 Jul 2016
बुध	14 Jul 2016 - 15 May 2019
केतु	15 May 2019 - 14 Jul 2020

रवि

	14 Jul 2020 - 14 Jul 2026
रवि	14 Jul 2020 - 31 Oct 2020
चन्द्र	31 Oct 2020 - 02 May 2021
मंगल	02 May 2021 - 07 Sep 2021
राहु	07 Sep 2021 - 02 Aug 2022
गुरु	02 Aug 2022 - 21 May 2023
शनि	21 May 2023 - 02 May 2024
बुध	02 May 2024 - 08 Mar 2025
केतु	08 Mar 2025 - 14 Jul 2025
शुक्र	14 Jul 2025 - 14 Jul 2026

चन्द्र

	14 Jul 2026 - 14 Jul 2036
चन्द्र	14 Jul 2026 - 15 May 2027
मंगल	15 May 2027 - 14 Dec 2027
राहु	14 Dec 2027 - 14 Jun 2029
गुरु	14 Jun 2029 - 14 Oct 2030
शनि	14 Oct 2030 - 14 May 2032
बुध	14 May 2032 - 13 Oct 2033
केतु	13 Oct 2033 - 14 May 2034
शुक्र	14 May 2034 - 13 Jan 2036
रवि	13 Jan 2036 - 14 Jul 2036

मंगल

	14 Jul 2036 - 15 Jul 2043
मंगल	14 Jul 2036 - 10 Dec 2036
राहु	10 Dec 2036 - 29 Dec 2037
गुरु	29 Dec 2037 - 04 Dec 2038
शनि	04 Dec 2038 - 13 Jan 2040
बुध	13 Jan 2040 - 09 Jan 2041
केतु	09 Jan 2041 - 08 Jun 2041
शुक्र	08 Jun 2041 - 08 Aug 2042
रवि	08 Aug 2042 - 14 Dec 2042
चन्द्र	14 Dec 2042 - 15 Jul 2043

राहु

	15 Jul 2043 - 14 Jul 2061
राहु	15 Jul 2043 - 27 Mar 2046
गुरु	27 Mar 2046 - 19 Aug 2048
शनि	19 Aug 2048 - 26 Jun 2051
बुध	26 Jun 2051 - 13 Jan 2054
केतु	13 Jan 2054 - 31 Jan 2055
शुक्र	31 Jan 2055 - 31 Jan 2058
रवि	31 Jan 2058 - 26 Dec 2058
चन्द्र	26 Dec 2058 - 26 Jun 2060
मंगल	26 Jun 2060 - 14 Jul 2061

गुरु

	14 Jul 2061 - 14 Jul 2077
गुरु	14 Jul 2061 - 01 Sep 2063
शनि	01 Sep 2063 - 15 Mar 2066
बुध	15 Mar 2066 - 20 Jun 2068
केतु	20 Jun 2068 - 27 May 2069
शुक्र	27 May 2069 - 26 Jan 2072
रवि	26 Jan 2072 - 13 Nov 2072
चन्द्र	13 Nov 2072 - 15 Mar 2074
मंगल	15 Mar 2074 - 19 Feb 2075
राहु	19 Feb 2075 - 14 Jul 2077

शनि

	14 Jul 2077 - 14 Jul 2096
शनि	14 Jul 2077 - 17 Jul 2080
बुध	17 Jul 2080 - 27 Mar 2083
केतु	27 Mar 2083 - 05 May 2084
शुक्र	05 May 2084 - 06 Jul 2087
रवि	06 Jul 2087 - 17 Jun 2088
चन्द्र	17 Jun 2088 - 16 Jan 2090
मंगल	16 Jan 2090 - 25 Feb 2091
राहु	25 Feb 2091 - 01 Jan 2094
गुरु	01 Jan 2094 - 14 Jul 2096

बुध

	14 Jul 2096 - 16 Jul 2113
बुध	14 Jul 2096 - 11 Dec 2098
केतु	11 Dec 2098 - 08 Dec 2099
शुक्र	08 Dec 2099 - 09 Oct 2102
रवि	09 Oct 2102 - 15 Aug 2103
चन्द्र	15 Aug 2103 - 14 Jan 2105
मंगल	14 Jan 2105 - 11 Jan 2106
राहु	11 Jan 2106 - 31 Jul 2108
गुरु	31 Jul 2108 - 05 Nov 2110
शनि	05 Nov 2110 - 16 Jul 2113

केतु

	16 Jul 2113 - 15 Jul 2120
केतु	16 Jul 2113 - 12 Dec 2113
शुक्र	12 Dec 2113 - 11 Feb 2115
रवि	11 Feb 2115 - 19 Jun 2115
चन्द्र	19 Jun 2115 - 18 Jan 2116
मंगल	18 Jan 2116 - 15 Jun 2116
राहु	15 Jun 2116 - 03 Jul 2117
गुरु	03 Jul 2117 - 09 Jun 2118
शनि	09 Jun 2118 - 19 Jul 2119
बुध	19 Jul 2119 - 15 Jul 2120

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

शुक्र – बुध

	14 Jul 2016 - 15 May 2019
बुध	14 Jul 2016 - 07 Dec 2016
केतु	07 Dec 2016 - 06 Feb 2017
शुक्र	06 Feb 2017 - 28 Jul 2017
रवि	28 Jul 2017 - 18 Sep 2017
चन्द्र	18 Sep 2017 - 13 Dec 2017
मंगल	13 Dec 2017 - 12 Feb 2018
राहु	12 Feb 2018 - 17 Jul 2018
गुरु	17 Jul 2018 - 02 Dec 2018
शनि	02 Dec 2018 - 15 May 2019

शुक्र – केतु

	15 May 2019 - 14 Jul 2020
केतु	15 May 2019 - 08 Jun 2019
शुक्र	08 Jun 2019 - 19 Aug 2019
रवि	19 Aug 2019 - 09 Sep 2019
चन्द्र	09 Sep 2019 - 14 Oct 2019
मंगल	14 Oct 2019 - 08 Nov 2019
राहु	08 Nov 2019 - 11 Jan 2020
गुरु	11 Jan 2020 - 08 Mar 2020
शनि	08 Mar 2020 - 14 May 2020
बुध	14 May 2020 - 14 Jul 2020

रवि – रवि

	14 Jul 2020 - 31 Oct 2020
रवि	14 Jul 2020 - 19 Jul 2020
चन्द्र	19 Jul 2020 - 28 Jul 2020
मंगल	28 Jul 2020 - 04 Aug 2020
राहु	04 Aug 2020 - 20 Aug 2020
गुरु	20 Aug 2020 - 04 Sep 2020
शनि	04 Sep 2020 - 21 Sep 2020
बुध	21 Sep 2020 - 07 Oct 2020
केतु	07 Oct 2020 - 13 Oct 2020
शुक्र	13 Oct 2020 - 31 Oct 2020

रवि – चन्द्र

	31 Oct 2020 - 02 May 2021
चन्द्र	31 Oct 2020 - 16 Nov 2020
मंगल	16 Nov 2020 - 26 Nov 2020
राहु	26 Nov 2020 - 24 Dec 2020
गुरु	24 Dec 2020 - 17 Jan 2021
शनि	17 Jan 2021 - 15 Feb 2021
बुध	15 Feb 2021 - 13 Mar 2021
केतु	13 Mar 2021 - 23 Mar 2021
शुक्र	23 Mar 2021 - 23 Apr 2021
रवि	23 Apr 2021 - 02 May 2021

रवि – मंगल

	02 May 2021 - 07 Sep 2021
मंगल	02 May 2021 - 09 May 2021
राहु	09 May 2021 - 29 May 2021
गुरु	29 May 2021 - 15 Jun 2021
शनि	15 Jun 2021 - 05 Jul 2021
बुध	05 Jul 2021 - 23 Jul 2021
केतु	23 Jul 2021 - 30 Jul 2021
शुक्र	30 Jul 2021 - 21 Aug 2021
रवि	21 Aug 2021 - 27 Aug 2021
चन्द्र	27 Aug 2021 - 07 Sep 2021

रवि – राहु

	07 Sep 2021 - 02 Aug 2022
राहु	07 Sep 2021 - 26 Oct 2021
गुरु	26 Oct 2021 - 09 Dec 2021
शनि	09 Dec 2021 - 30 Jan 2022
बुध	30 Jan 2022 - 18 Mar 2022
केतु	18 Mar 2022 - 06 Apr 2022
शुक्र	06 Apr 2022 - 31 May 2022
रवि	31 May 2022 - 16 Jun 2022
चन्द्र	16 Jun 2022 - 13 Jul 2022
मंगल	13 Jul 2022 - 02 Aug 2022

रवि – गुरु

	02 Aug 2022 - 21 May 2023
गुरु	02 Aug 2022 - 09 Sep 2022
शनि	09 Sep 2022 - 26 Oct 2022
बुध	26 Oct 2022 - 06 Dec 2022
केतु	06 Dec 2022 - 23 Dec 2022
शुक्र	23 Dec 2022 - 10 Feb 2023
रवि	10 Feb 2023 - 25 Feb 2023
चन्द्र	25 Feb 2023 - 21 Mar 2023
मंगल	21 Mar 2023 - 07 Apr 2023
राहु	07 Apr 2023 - 21 May 2023

रवि – शनि

	21 May 2023 - 02 May 2024
शनि	21 May 2023 - 15 Jul 2023
बुध	15 Jul 2023 - 02 Sep 2023
केतु	02 Sep 2023 - 22 Sep 2023
शुक्र	22 Sep 2023 - 19 Nov 2023
रवि	19 Nov 2023 - 06 Dec 2023
चन्द्र	06 Dec 2023 - 04 Jan 2024
मंगल	04 Jan 2024 - 24 Jan 2024
राहु	24 Jan 2024 - 16 Mar 2024
गुरु	16 Mar 2024 - 02 May 2024

रवि – बुध

	02 May 2024 - 08 Mar 2025
बुध	02 May 2024 - 15 Jun 2024
केतु	15 Jun 2024 - 03 Jul 2024
शुक्र	03 Jul 2024 - 24 Aug 2024
रवि	24 Aug 2024 - 08 Sep 2024
चन्द्र	08 Sep 2024 - 04 Oct 2024
मंगल	04 Oct 2024 - 22 Oct 2024
राहु	22 Oct 2024 - 08 Dec 2024
गुरु	08 Dec 2024 - 18 Jan 2025
शनि	18 Jan 2025 - 08 Mar 2025

इस साल आपकी शिक्षा की स्थिति

यह साल आपके लिये

जिसके पास विद्या होती है उसे धर्म और सुख की प्राप्ति स्वतः ही हो जाती है. प्राचीन काल से लेकर आज तक यह सिद्धांत लागू है. आपने देखा होगा कि जिनकी शिक्षा अच्छी होती है उन्हें अच्छी नौकरी, धन, वाहन, सुख और सम्मान मिलता है. सभी व्यक्ति इन चीजों की चाहत रखते हैं अतः उच्च से उच्च और बेहतर से बेहतर शिक्षा के विषय में सोचते हैं.

इस वर्ष आपकी शिक्षा कैसी रहेगी. शिक्षा के दौरान किन परेशानियों का सामना करना पड़ सकता और कब आप अपनी शिक्षा से मान–सम्मान व सफलता प्राप्त कर सकते हैं. इस रिपोर्ट द्वारा आप जान सकेंगे. इस रिपोर्ट में पूरे वर्ष में आपकी शिक्षा की स्थिति का विश्लेषण किया गया है जिससे लाभ उठाकर आप शिक्षा के क्षेत्र में अपनी स्थिति बेहतर बना सकते हैं.

ग्रहों की दशा का शिक्षा पर प्रभाव

महादशा : शुक्र

14 July 2000 - 14 July 2020

शुक्र महादशा की इस अवधि में ऐसी स्थितियां आती रहेंगी जिनकी वजह से पढ़ाई में पूरा ध्यान नहीं लगा पाएंगे. ऐसे में, शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के लिए मन को पढ़ाई की ओर केन्द्रित करना होगा. अन्य विषयों की ओर मन भटकाने से पढ़ाई में पीछे हो सकते हैं तथा लक्ष्य आपसे दूर हो सकता है.

इन दिनों शिक्षण सामग्री का लेन–देन होशियारी से करना चाहिए. मित्रों को नोट्स देने से पहले उसकी एक कॉपी अपने पास जरूर रखलें अन्यथा स्वयं कठिनाई में पड़ सकते हैं. शिक्षक, शिक्षा अधिकारी एवं अनुभवी व्यक्तियों से सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखना लाभप्रद होगा. परीक्षा परिणाम अच्छा पाने के लिए सही दिशा–निर्देश और दिनचर्या बनाकर अध्ययन करने से फायदा होगा. आलस्य का भी त्याग करना चाहिए.

अन्तर दशा : शुक्र–बुध

14 July 2016 - 15 May 2019

बुध अन्तर्दशा की अवधि शिक्षा के मामले में आपके लिए बहुत ही अच्छी है. पूरे मनोयोग से पढ़ाई करेंगे. अन्य विषयों से मन को हटाकर शिक्षा पर पूरा ध्यान देंगे इससे लक्ष्य से भटकने की संभावना कम रहेगी. इस समय किये गये प्रयास से भविष्य के लिए सफलता का मार्ग खुलेगा. मेहनत और बुद्धि के समन्वय से कठिन से कठिन प्रश्नों का उत्तर ढूंढ पाएंगे. शिक्षा के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने में भी कामयाबी मिलेगी.

गणित एवं व्यावसायिक विषयों को समझना आपके लिए आसान होगा. इनमें आपका प्रदर्शन सराहनीय होगा. शिक्षा से सम्बन्धित जो भी प्रयास करेंगे उनमें आपको अनुकूल परिणाम मिलने की उम्मीद रहेगी. मित्रों एवं सहपाठियों से अच्छे सम्बन्ध बनाये रख पाएंगे इससे उनका सहयोग मिलेगा.

प्रत्यन्तर दशा : शुक्र–बुध–चन्द्र

18 September 2017 - 13 December 2017

चन्द्र प्रत्यन्तर्दशा का यह समय शिक्षा के लिए अनुकूल है. इस समय एकाग्रचित्त होकर अध्ययन कार्य कर पायेगें, इस शुभ समय का लाभ उठाते हुए अन्य सभी विषयों से मन को हटाकर पढ़ाई की ओर लगाना चाहिए. इस अवधि में मन शांत व स्थिर रहेगा जिससे आपकी निर्णय क्षमता बढ़ेगी. आप सही ग़लत का फैसला लेकर समयानुरूप अध्ययन शुरू कर पाएंगे. शिक्षकों से सराहना मिलेगी.

सम्मान व सफलता में बढ़ोतरी के लिए क्रोध में कमी लाएं और सभी के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार करें. शिक्षा एवं जीवन के दूसरे क्षेत्रों में आने वाली बाधाओं को सकारात्मक रूप से लेंगे जिनसे चिन्ता आपके ऊपर हावी नहीं होगी. आपकी गिणती प्रतिभाशाली छात्र के रूप में होगी.

प्रत्यन्तर दशा : शुक्र–बुध–मंगल

13 December 2017 - 12 February 2018

मंगल प्रत्यंतर दशा के इस समय में जोश में कोई भी निर्णय लेने से पहले कई बार विचार करलें अन्यथा आपके फैसले में त्रुटि हो सकती है. शिक्षा से सम्बन्धित विषयों में बार–बार निर्णयों में बदलाव नहीं लाना चाहिए. ऐसा करने से परेशानियों में बढ़ोतरी हो सकती है. नोट्स के लेन–देन में समझदारी से काम नहीं लेंगे तो दुबारा मेहनत करनी पड़ेगी.

मेहनत से जी चुराना आपके लिए नुकसानदायक होगा. प्रतिद्वंद्वी आपसे आगे निकल सकते है. अपने अंदर उत्साह और प्रेरणा बनाये रखने के लिए लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए. आत्मविश्लेषण करना भी फायदेमंद होगा. क्रोध पर काबू में रखें अन्यथा मित्रों व सहपाठियों से सम्बन्ध खराब हो सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : शुक्र–बुध–राहु

12 February 2018 - 17 July 2018

राहु प्रत्यन्तर दशा की इस अवधि में आप सफलता पाने के लिए मेहनत की बजाय चतुराई से काम निकालना चाहेंगे. ग़लत तरीकों एवं चतुराई से प्रतियोगियों को आगे निकलने में आपको सफलता मिल सकती है. लेकिन, बड़ी कामयाबी पाना चाहते हैं तो खुद पर भरोसा करें और मेहनत से अच्छा करने की कोशिश करें. इससे आपको आत्मसंतोष व सराहना मिलेगी.

इन दिनों मन को शांत और स्थिर रखने का प्रयास करें इससे पाठ को अच्छी तरह समझ पाएंगे. प्रश्नोत्तर का आदान–प्रदान कम ही करें तो अच्छा रहेगा. शिक्षकों से सहयोग में कमी महसूस करेंगे

प्रत्यन्तर दशा : शुक्र–बुध–गुरु

17 July 2018 - 02 December 2018

गुरू प्रत्यंतर दशा की इस अवधि में विषयों को समझ पाना आसान होगा. इस समय आपको अपनी योग्यता को निखारने का प्रयास करना चाहिए, समय इसके लिए अनुकूल है. वित्त और व्यवसायिक विषयों का अध्ययन कर रहे हैं तो आपके लिए यह समय शिक्षा के लिहाज से बहुत ही सुखद होगा. विषयों को जल्दी और गहराई से समझ पाएंगे.

शिक्षकों से सम्बन्ध सुधारने के लिए भी आप इस समय का लाभ उठा सकते हैं. इस शुभ समय में मेहनत और लगनशीलता से जुटे रहना आपके हित में होगा. इसमें कमी करेंगे तो अपना ही नुकसान करेंगे.

ज्योतिष के द्वारा उपाय

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए जो उपाय बताये गये हैं उनमें एक हैं मंत्र जप. व्यक्ति जिस ग्रह के मंत्र का जप करता है या करवाता है. उस ग्रह से सकारात्मक उर्जा की प्राप्ति होती है. ग्रह अपनी दशावधि में व्यक्ति को शुभ फल देते हैं तथा अशुभ प्रभाव से बचने हेतु प्रेरणा देते हैं.

मंत्र जप से आत्मिक शांति, धैर्य, लगनशीलता तथा उर्जा का संचार होता है. इससे व्यक्ति में मेहनत करने की क्षमता बढ़ती है. स्मरण शक्ति एवं बौद्धिक क्षमता का विकास होता है फलस्वरूप व्यक्ति को अपनी कोशिशों के अनुरूप अच्छी सफलता मिलती है.

मंत्र जप का पूर्ण फल पाने के लिए मंत्रों के उच्चारण में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होता है. व्यक्ति में मंत्रों के प्रति श्रद्धा भी होनी चाहिए. जप के पश्चात हवन करना लाभप्रद होता है.

रत्नों द्वारा उपाय

आप रत्न धारण करना चाहते हैं तो इस समय शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए उपयुक्त रहेगा. यह आपकी रचनात्मक क्षमता को उभारने में मददगार होगा. पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित कर पाएंगे इससे शैक्षिक क्षेत्र में आपकी छवि निखरेगी. अपनी कोशिशों से सफलता के साथ साथ लोकप्रियता भी हासिल कर सकेंगे. व्यवहारिकता और ज्ञान से शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकेंगे.

दान के द्वारा उपाय

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा चल रही है. इस दशा में शुभ फल प्राप्ति हेतु शुक्र की वस्तुओं का दान करना चाहिए. शुक्र की वस्तुएं हैं हीरा, चांदी, चावल, मिसरी दूध, दही, सफेद वस्त्र, सफेद पुष्प, सुगंध, सफेद घोडा, सफेद चंदन. इनका दान शुक्रवार के दिन सूर्योदय के प्रथम दो घंटे के भीतर करना चाहिए.

मंत्रों द्वारा उपाय

शुक्र मंत्र का 16000 जप करने से शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि होगी. शुक्र का मंत्र है "ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः". मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे. इसी निर्धारित समय में जप पूरा करना होता है अन्यथा शुभ फल नहीं मिलता है.

जप पूरा होने के पश्चात शुक्र के नाम से हवन करना चाहिए. हवन हेतु गूलर की लकड़ियों का प्रयोग करें. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें. मंत्र जप से मन की चंचलता दूर होगी. पढ़ाई लिखाई में मन लगेगा. कलात्मक क्षमताओं का विकास होगा.

शिक्षा भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

पंचम घर में सूर्य का गोचर

18 October 2017 - 17 Nov 2017
18 October 2018 - 17 Nov 2018

सूर्य का गोचर इस समय पंचम भाव से हो रहा है. यह आपके आत्मविश्वास का बढ़ाएगा. आप अपने शैक्षणिक उत्तरदायित्व को निभाने की कोशिश करेंगे. शिक्षकगण आपकी प्रशंसा करेंगे. इससे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी. इस अवधि में अपना ध्यान शिक्षा की ओर जितना केन्द्रित करेंगे आपके लिए उतना ही फायदेमंद होगा.

शैक्षिक क्षेत्र से जुड़े प्रशासनिक कार्यों को पूरा करने में आसानी होगी. इस गोचर के दौरान अपने में व्यवहार में लचीलापन रखना चाहिए. किसी से सहयोग पाना चाहते हैं तो आपने अंदर भी सहयोग की भावना रखें.

पंचम घर में बुध का गोचर

14 October 2017 - 03 Nov 2017
07 October 2018 - 27 Oct 2018

पंचम भाव से बुध का गोचर शैक्षिक कार्यों के लिए अनुकूल है. यह आपकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा. बौद्धिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी. अपनी पढ़ाई को लेकर आप गंभीरता से सोचेंगे. मन लगाकर ध्यान से पढ़ाई करने पर आप उन विषयों को भी समझ सकेंगे जिन्हें समझने में कठिनाई आ रही थी.

धैर्य और बुद्धिमानी से अपनी प्रतिभा को समाने में लाने में भी यह गोचर सहायक होगा. सहपाठियों एवं मित्रों से सम्बन्ध सुधारने की ओर आपका ध्यान जाएगा. शैक्षिक क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता बढ़ सकती है.

पंचम घर में शुक्र का गोचर

04 November 2017 - 27 Nov 2017
02 September 2018 - 02 Jan 2019

उपरोक्त समय में शुक्र का गोचर शिक्षा स्थान यानी पंचम भाव से होगा ऐसे में, अपका मन मनोरंजन एवं घूमने–फिरने की ओर अधिक आकर्षित होगा. अपनी जिम्मेवारियों एवं लक्ष्य का ध्यान रखेंगे तो मनोरंजन के साथ–साथ अपनी पढ़ाई भी पूरी कर पाएंगे. परीक्षा की तैयारी में निरन्तरता बनी रहेगी. शैक्षणिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रेम–प्रसंगों से खुद को दूर रखना चाहिए.

पढ़ाई की ओर पूरी तरह ध्यान केन्द्रित नहीं हो पा रहा है और मनोविनोद की इच्छा प्रबल हो रही है तो, कलात्मक कार्यों की ओर मन लगाइये इससे मनोरंजन भी होगा और कलात्मक क्षमताओं में भी निखार आएगा.

पंचम घर में मंगल का गोचर

01 December 2017 - 18 Jan 2018

मंगल का गोचर इस समय में शिक्षा भाव से हो रहा है. इस दौरान लक्ष्य पाने के लिए आप अधिक प्रयास करेंगे. शैक्षिक कार्यों को पूरा करने हेतु आप अधिक क्रियाशील रहेंगे. रचनात्मक कार्यों को लेकर आपमें जोश और उत्साह बना रहेगा.

आपका आशावादी दृष्टिकोण कठिनाईयों को सुलझाने में सहयोगी होगा. शिक्षा से सम्बन्धित अपनी योजनाओं को पूरा कर पाएंगे. इस दौरान आप किसी प्रतियोगिता या परीक्षा में भाग ले रहे हैं तो अपने प्रदर्शन से आपको संतुष्टि मिलेगी. क्रोध पर काबू रखें और वाद–विवाद से दूर रहें यह आपके लिए लाभप्रद होगा.

पंचम घर में गुरु का गोचर

13 September 2017 - 12 Oct 2018

उपरोक्त समय में गुरू का गोचर शिक्षा भाव से होगा. इस समय का सदुपयोग अपनी योग्यता और कार्य कुशलता को निखारने में करना चाहिए. इसके लिए शिक्षा में रूचि और आत्मविश्वास बनाये रखना लाभप्रद होगा. पढ़ाई पर ध्यान देंगे तो ज्ञान का विकास होगा.

जिन विषयों को समझने में परेशानी आ रही है उन्हें मित्रों एवं सीनियर्स से विचार–विमर्श करके समझ सकते हैं. शिक्षकों से भी इसमें सहयोग मिलेगा. उन्हें अपनी समस्या निःसंकोच बताएं.

पंचम घर में चन्द्र का गोचर

17 November 2017 - 19 Nov 2017
14 December 2017 - 16 Dec 2017
10 January 2018 - 13 Jan 2018
06 February 2018 - 09 Feb 2018
06 March 2018 - 08 Mar 2018
02 April 2018 - 05 Apr 2018
30 April 2018 - 02 May 2018
27 May 2018 - 29 May 2018
23 June 2018 - 25 Jun 2018
20 July 2018 - 23 Jul 2018
17 August 2018 - 19 Aug 2018
13 September 2018 - 15 Sep 2018
10 October 2018 - 13 Oct 2018

दिये गये समय में चन्द्र का गोचर पंचम भाव से होगा जिसके फलस्वरूप इस अवधि में पढ़ाई में आपकी रूचि बढ़ेगी. चिन्ताओं में कमी आने से पढ़ाई करते वक्त ध्यान केन्द्रित रख पाएंगे. अपने सहयोग पूर्ण व्यवहार से मित्रों से सम्बन्ध मजबूत बनाने में आपको सफलता मिलेगी. मित्रों से स्नेह मिलेगा. वह सहयोग के लिए भी आगे आएंगे.

शैक्षणिक कार्य का दबाव बढ़ने पर भी मन शंत रखकर काम पूरा करने का प्रयास करें. इससे मानसिक तनाव से खुद को मुक्त रख पाएंगे. इस अवधि में लगन पूर्वक और ध्यान से किये गये कार्यो से आपको

प्रशंसा प्राप्त होगी.

शिक्षण भाव के स्वामी का शिक्षा भाव में गोचर

04 November 2017 - 27 Nov 2017
02 September 2018 - 02 Jan 2019

शुक्र आपकी कुण्डली में पंचम भाव का स्वामी है और दिये गये समय में पंचम भाव से गोचर कर रहा है. इस अवधि में पढ़ाई की तरफ ध्यान केन्द्रित करेंगे करके विषय सम्बन्धी कमज़ोरी को दूर कर सकते हैं. शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे तो परिस्थिति आपके पक्ष में रहेंगी.

मित्रों, शिक्षकों एवं शिक्षाधिकारियों से सम्बन्ध सुधारने के लिए यह अच्छा वक्त है. इस दिशा में प्रयास करना अच्छा रहेगा. शैक्षिक कार्यों में रचनात्मकता एवं कलात्मकता बढ़ेगी इससे आप प्रशांसित होंगे. इस गोचर के दौरान विपरीत लिंग के व्यक्तियों से अधिक निकटता पढ़ाई में रूचि कम करेगी. मनोविनोद की ओर अधिक आकर्षण के कारण भी शिक्षा पर पूरा ध्यान नहीं दे पाएंगे. ऐसे में, इन विषयों की ओर मन को जाने से रोकना आपके हित में होगा.